शाश्वत यौगिक खेती लाएगी खुशहाली - चंद्रिका प्रसाद

माउंट आबू, 21 जुलाई। राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय पूर्व कुलपति डॉ. चंद्रिका प्रसाद कहा है कि गांववासियों की समर्पणता, सहनशीलता व कड़ी मेहनत देश की समृद्धि व खुशहाली प्राप्त करने का मूल आधार है। वे मंगलवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में ग्राम विकास प्रभाग की ओर से राष्ट्रीय प्रगति में नया कदम शाश्वत यौगिक खेती विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सेमीनार के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खेतों में खुशहाली लौटाने के लिए शाश्वत यौगिक खेती कारगर सिद्ध होगी। शहरों की अपेक्षा आज भी गांवों में आपसी प्रेम, सत्कार की भावना, अतिथि देवो भवः जैसी प्राचीन संस्कृति की झलक विद्यमान है। इसी संस्कृति को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का ब्रह्माकुमारी संगठन का प्रयास सराहनीय है। गांव भारतीय संस्कृति की धरोहर हैं, सुदृढ़, समृद्ध, खुशहाल भारत निर्माण को गांवों को आदर्श बनाना जरूरी है। ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा शाश्वत यौगिक खेती अनुसंधान राष्ट्रीय प्रगति में नया कदम है जिसके तहत राजयोग के प्रयोग से इस कार्य में सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। गांवों की शोभा मेहनतकर्ता गांववासियों का जीवन नैतिकता जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों से श्रृंगारित होना निहायत जरूरी है।

ब्रह्माकुमारी संगठन की सहमुख्य प्रशासिका, युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जो मनुष्य श्रेष्ठ कर्मों की पूंजी जमा कर अपने श्रेष्ठ भाग्य का निर्माण करता है वही दूसरों को भी सतमार्ग का रास्ता बता सकता है। गांव के लोग सादा जीवन उच्च विचार में विश्वास करते हैं। उनके आतिथ्य की बराबरी, बांटकर खाने की भावना शहर में कहीं भी नहीं दिखाई देती।

दांतीवाड़ा एस.डी. एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी अनुसंधान निदेशक वैज्ञानिक डॉ. एम.एम. पटेल ने कहा कि प्रत्येक गांववासी को ग्राम विकास के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा जो कदम उठाया गया है वह निसंदेह ही किसानों के लिए वरदान साबित होगा।

ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा बी.के. मोहनी बहन ने कहा कि वर्तमान सुखद और भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए कर्मों का ज्ञान होना अति आवश्यक है। कर्मों के जरिये ही मनुष्य समाज में अपनी पहचान बनाता है। मनुष्य ज्ञान से ही अज्ञान अंधकार को मिटाकर पापकर्मो से बच सकता है। श्रेष्ठ भविष्य की नींव वर्तमान में किए गए कर्मों के आधार पर ही डाली जाती है।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद सदस्य जी.एस. कौशल ने कहा कि सभी एक साथ मिलकर विकास के क्षेत्र में कुछ ऐसे कार्य करें जिससे भारत का हर गांव सशक्त हो जाए। और इस ऊंच कार्य को संपन्न करने की शक्ति सिर्फ आध्यात्मिकता में ही है। ग्रामवासियों में एकता, आपसी सदभाव, प्रेम, सुख, शान्ति से ही गांवों का सर्वांगीण विकास संभव है।

ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिक बी.के.सरला ने सेमीनार के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान बदलते परिवेश में किसानों के लिए शाश्वत यौगिक खेती की तकनीक सहायक सिद्ध होगी। जिसके लिए स्वयं की मानसिकता को संपूर्ण रूप से शुद्ध बनाने की जरूरत है।

राजयोग शिक्षिका बी.के. जागृति ने शाश्वत यौगिक खेती विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मुख्यालय संयोजक बी. के. राजू, एक्जीक्युटिव सदस्य बी.के. सतवीर, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बी.के. शारदा ने मंच का सफलतापूर्वक संचालन किया।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, simply open the document you want to convert, click “print”, select the “Broadgun pdfMachine printer” and that’s it! Get yours now!